सुविचार जो आप करते है वही मायने रखता है ,न की जो आप करने का इरादा रखते है।

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -२ अंक -५४ सोमवार –१४/०७/२०२५ पृष्ठ – ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

ट्रम्प की टैरिफ डील

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की समयसीमा समाप्त होने के करीब है, जिससे व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ ही देशों के साथ डील हो पाने और घरेलू–अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के कारण ट्रंप की स्थिति कमजोर हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर जो डेडलाइन दी थी, वह चंद घंटों में खत्म हो जाएगी। बात अब भी वहीं अटकी है। ट्रंप ने फिर से धमकाना शुरू कर दिया है और उनके अगले कदम को लेकर असमंजस बना हुआ है। अमेरिका के व्यापार घाटे को ट्रंप टैरिफ का डंडा दिखाकर खत्म करना चाहते हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने रेसिप्रोकल टैरिफ से की और फिर खुद ही 90 दिनों की छूट दे दी। यह समयसीमा तय करते हुए ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने वाले देशों की लाइन लग जाएगी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। ट्रंप बमुश्किल ब्रिटेन, चीन और वियतनाम के साथ डील कर पाए हैं। चीन के साथ हुई डील भी अकेले पेइचिंग की नहीं, वॉशिंगटन की भी मजबूरी थी। उनके मुताबिक यह टैक्स कुछ भी हो सकता है – 10:, 20: या 60–70:, और यह बढ़ा टैरिफ एक अगस्त से लिया जाएगा। यानी ट्रंप ने फिर से अनिश्चितता का खेल शुरू कर दिया है। लेकिन, इस बार हालात अप्रैल से अलग हैं। अब शायद ट्रंप का टैरिफ दबाव काम न आए।6 महीने से भी कम समय में ट्रंप की स्थिति बदल चुकी है। वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही मोर्चों पर पहले की तरह मजबूत नजर नहीं आते। अपने कार्यकाल की शुरुआत उन्होंने जिन अजेंडों के साथ की थी – प्रवासी संकट, इकॉनमी, व्यापार घाटा और युद्ध का खात्मा, सभी पर वह फंसे हुए हैं। प्रवासियों को लेकर कैलिफोर्निया में बवाल हो गया, जबकि उनका 'वदम इपह इमंनजपनिस इपसस' उन्हीं की पार्टी के कई लोगों को पसंद नहीं आया।

नीमच के रतनगढ में पुलिस ने स्वीफ्ट डिजायर कार से कोटा के तस्कर से10.80 लाख का डोडाचुरा पकडा ।

पुलिस नांकेबंदी पर 63 किलो डोडाचारा रतनगढ-सिंगोली मार्ग पर पकडा गया ।

जावद के पास रतनगढ़ थाना पुलिस ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर रतनगढ़–सिंगोली रोड पर नाकाबंदी करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से 63 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। इसकी कीमत 10. 80 लाख रुपए बताई जा रही है। कार का नंबर आरजे 14 डब्लूसी 9666 है। पुलिस ने कोटा जिले के रानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रेतिया निवासी प्रकाश उर्फ पप्पू गुर्जर (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है।पूछताछ में मादक पदार्थों की खरीद–फरोख्त में शामिल अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस जल्द ही इन लोगों को भी गिरफ्तार करेगी। पुलिस अधीक्षक ने आने वाले समय में और अधिक जांच व दबिश की बात कही है। जिले में ड्रग माफिया को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। जब्त किए गए वाहन और मादक पदार्थ को विधिवत प्रक्रिया के तहत सील कर दिया गया है।

बलूचिस्तान मे क्वेटा से लाहोर जा रही बस पर हमला , नौ लोगो की मौत हमलावर ने बास रोक किडनैप कर पहचान करने के बाद गोली मारी।

हमेले के पीछे फितला-अल-हिन्दुस्तान का हाथ पाक द्वारा बताया जा रहा है ।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार देर रात क्वेटा से लाहौर जा रही एक यात्री बस को हथियारबंद लोगों ने रोककर 9 यात्रियों को अगवा किया और उन्हें गोलियों से भून दिया। यह घटना नॉर्थ बलूचिस्तान के सर धक्का इलाके में झोब के पास हुई, जो लंबे समय से चरमपंथियों की गतिविधियों का केंद्र रहा है। झोब के असिस्टेंट कमिश्नर नवीन आलम के मुताबिक, हमलावरों ने बस से यात्रियों को उतारा, पहचान की और फिर 9 लोगों को गोली मार दी। आलम ने बताया कि ये सभी शव बरखान जिले के रेखनी अस्पताल भेजे गए हैं। हत्या का तरीका बताता है कि हमलावर पहले से योजना बनाकर आए थे और टारगेटेड किलिंग कर रहे थे। सरकार भारत समर्थित हमला बता रही बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार इसे भारत समर्थित हमला बता रही है। सरकार ने इस हमले के पीछे फितना अल–हिंदुस्तान का हाथ होने की बात कही है।पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना–अल–हिंदुस्तान का नाम दिया है। इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी सबसे बड़ा और प्रमुख संगठन है। सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा – यह सिर्फ एक हमला नहीं, निर्दोष पाकिस्तानियों की क्रूर हत्या है। यह फितना अल–हिंदुस्तान की बर्बर सोच का नतीजा है।

नीमच हत्याकांड - घर मे घुसकर महिला का रेता गला

पुलिस को सीसीटीवी में दिखा संदिग्ध

नीमच के कैंट थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात बंसल चौराहे के पास आशीर्वाद कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर एक घर में 55 वर्षीय महिला का शव मिला है। लीला देवी गोयल की उनके घर में ही चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि घटना के वक्त घर पर लीला देवी अकेली थीं, क्योंकि उनके पति गिरधारीलाल गोयल मंदिर गए हुए थे। जब वह घर लौटे तब महिला बेड पर खून से लथपथ पड़ी थी। आसपास के लोगों ने रोने की आवाज सुनकर अन्य परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, रात करीब 9. 30 बजे कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। कुछ ही देर में एसपी अंकित जायसवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की गई।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिनमें मुंह ढके एक संदिग्ध व्यक्ति की तस्वीर सामने आई है। उसके हावभाव और मूवमेंट को ट्रैक किया जा रहा है।

एसपी अंकित जायसवाल ने कहा कि मामला संदिग्ध है, हर एंगल से जांच हो रही है। हाउस हेल्प और पड़ोसियों से पूछताछ चल रही है। जल्द ही खुलासा होगा। आज सुबह पुलिस ने महिला के शव का पीएम करवाया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया ।(डीबी एप्प के ली हुई खबर)

कपिल शर्मा के कैफे पर चली गोलियाँ , कपिल की टीम ने कहा हम हार नही मानेगे।

कैफे पर 9 राउन्ड हुई फायरिंग

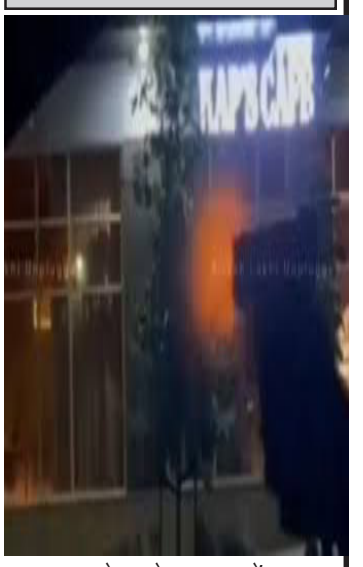

कनाडा के सरे शहर में मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के नए कैफे 'कैप्स कैफे' पर हुई फायरिंग की घटना ने भारतीय समुदाय सहित सभी को हैरान कर दिया है। कनाडाई समय के अनुसार गुरुवार तकरीबन 1 बजे तड़के एक अज्ञात हमलावर ने कैफे की ओर नौ राउंड फायरिंग किए। हमलावर एक कार में सवार था और कैफे के सामने से गुजरते हुए गोलियां चलाईं। राहत की बात यह है कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन घटना ने कैफे की टीम और कपिल शर्मा के फैंस को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना के बाद कैप्स कैफे' की ओर से सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक संदेश जारी किया गया। इंस्टाग्राम पर साझा इस पोस्ट में टीम ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा – हमने कैप्स कैफे को सिर्फ एक बिजनेस के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसी जगह के रूप में शुरू किया था, जहां लोग कॉफी के साथ बातचीत करते हुए सुकून पा सकें। मगर, इस सपने के साथ इस तरह की हिंसा का टकराव होना दिल तोड़ने वाला है। हम इस सदमे से जूझ रहे हैं, पर हार नहीं मानेंगे।

टीम ने यह भी कहा कि उन्हें लोगों से मिले समर्थन, प्रार्थनाओं और स्नेहपूर्ण संदेशों से हिम्मत मिली है। उन्होंने लिखा, "आपकी दुआएं और समर्थन हमारे लिए ताकत बन गई हैं। आप सबका हमारे प्रति विश्वास ही है जो इस कठिन समय में हमें संभाले हुए है। हम सभी मिलकर इस हिंसा के खिलाफ खड़े होंगे और 'कैप्स कैफे' को दोबारा एक सुरक्षित और सकारात्मक जगह बनाएंगे।

अहमदाबाद विमान हादसा - प्लेन के फ्यूल स्विच बंद हो गए थे , पायलेट ने दोबारा चालू किए तब तक देर हो चुकी थी।

१२ जुन को एयर इंडीया विमान टेकऑफ के कुछ देर बाद क्रेश हो गया था ।

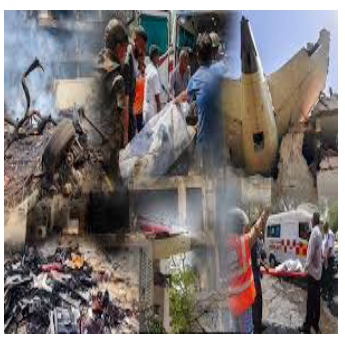

शुरुआती नतीजों से पता चलता है कि जेट के दोनों इंजनों में फ्यूल फ्ला को कंट्रोल करने वाले स्विच बंद हो गए थे, इसलिए टेकऑफ के तुरंत इन्हें चालू करने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सके। कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। रिपोर्ट में ये भी सामने आया है कि उड़ान से पहले फ्लाइट के एक सेंसर में परेशानी थी जिसे ठीक किया गया। मेडिकल होस्टल पर प्लेन क्रैश होने के कारण इस हादसे में कुल 270 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल थे। सिर्फ एक भारतीय मूल के ब्रिटिश यात्री की जान बची।

शुभांशु शुक्ला की चौदाह जुलाई को धरती पर वापसी संभव ,चार दिन ओर मिशन बढाया गया आगे ।

मिशन 14 दिन का था , जो अबे बढाया गया

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम–4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जूनको अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

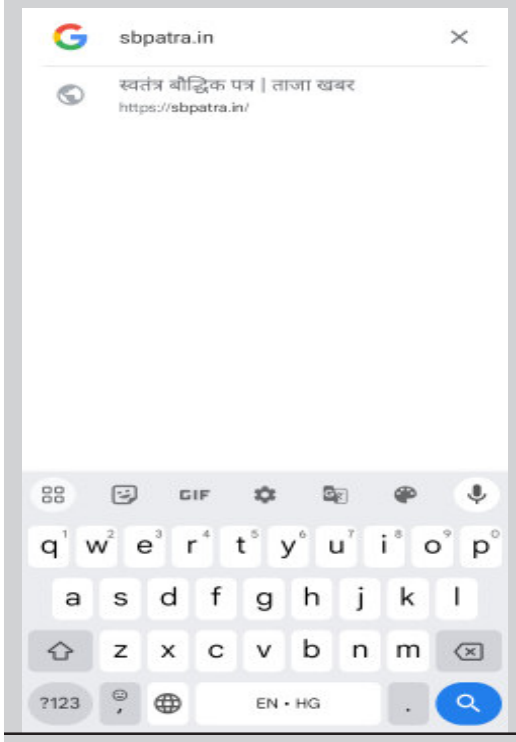

(1)

गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/

(2)

होम पेज पर केटेगिरी मे जाए

(3)

ई-पेपर केटेगिरी चुने

(4)

समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

नि:शुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

बम बारूद से घिरा इजराइल - ईरान का इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार को बैलिस्टिक मिसाईल से हमला ।

ईरान परमाणु बम के नजदीक है सवोच्चय नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आदेश का इंतजार

ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई।

आस–पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। ईरान के शुक्रवार सुबह मिसाइल हमले के बाद बीर्शेबा शहर में पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई। ईरान के शुक्रवार सुबह मिसाइल हमले के बाद बीर्शेबा शहर में पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई।न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

सत्य का ब्रह्मास्त्र
स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

भारतीय हमले मे हुए धराशही डुए ठिकानो की हे मरम्मत में लगा पाक ।

सरकार ने अब तक 40 करोड का फण्ड जारी किया ।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई की रात को पाकिस्तान और च्वज्ञ के अंदर मौजूद कई आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों में तबाह कर दिया था। इनमें आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद के ठिकाने शामिल थे। अब, पाकिस्तान आर्मी उसे फिर से ठीक करा रही है।पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने खुद दखल देते हुए इन आतंकी ठिकानों को रिस्टोर के लिए अब तक 40 करोड़ रूपए का सरकारी फंड जारी किया है। यह फंडिंग उन मदरसों और मस्जिदों तक भी पहुंच रही है जिनका सीधा संबंध लश्कर और जैश जैसे संगठनों से रहा है। मुनीर ने तबाह अड्डों को 11 दिन में ठीक करने को कहा – च।ज्ञ आर्मी चीफ मुनीर ने मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाहहुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की है। दरअसल, 1 जुलाई से पाकिस्तान में मदरसे खुलेंगे। पहले मदरसे 20 जून से खुलने थे, लेकिन इनके ठीक न हो पाने के चलते मदरसे खुलने की तारीख बदल दी गई है। मुनीर ने इन्हें रिपेयर करने के लिए एक टीम बनाई है। वह खुद इन कामों की निगरानी कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पाक अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर खड़ा कर रहा है।

ओपरेशन सिंदुर में नुरखान एयरबेस की नुकसान की तस्वीरे पाक ने मानी ।

पाकिस्तान उप प्रधानमंत्री ईशाक डार ने खुलासा करते हुआ स्वीकारा की भारत से एयर बेस का नुकसान हुआ ।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने पहली बार माना है कि भारत ने उनके दो बड़े एयरबेस नूर खान और शोरकोट एयरबेस पर हमला किया था। डार ने जियो न्यूज पर खुलासा करते हुए बताया कि 6–7 मई की रात को पाकिस्तान जवाबी हमला करने की तैयारी कर रहा था, तभी भारत ने दोबारा स्ट्राइक कर दी और नूरखान–शोरकोट एयरबेस को निशाना बनाया।

इससे पहले पाकिस्तान सरकार और सेना ने भारत के हमले की बात को नकारा था। हालांकि, कुछ समय बाद पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने और अब डिप्टी पीएम इशाक डार ने हमलों की पुष्टि कर दी है।वहीं, डार ने सीजफायर के पीछे सऊदी प्रिंस की पहल होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि, ₹6–7 मई की रात को हमले के 45 मिनट बाद सऊदी प्रिंस ने फोन कर भारत से बातचीत का प्रस्ताव दिया था, फिर हमारे हां कहने पर उन्होंने भारत से बातचीत की थी।

दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

चीनी के दौरे पर भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

एससीओ की बैठक मे भारते के रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे चीन का दौर

राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

दिसंबर 2024 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर समझौता हुआ – भारत–चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 2020 से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद दिसंबर 2024 एक समझौता हुआ है। इसमें तय हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

18 अक्टूबररू देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी।2020 में भारत–चीन के सैनिकों के बीच गलवान झड़प के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था। करीब 4 साल बाद 21 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि इसका मकसद लद्दाख में गलवान जैसी झड़प रोकना और पहले जैसे हालात बनाना है।

राजनाथ की चीनी रक्षा मंत्री से द्विपक्षीय वार्ता होगी – राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। दिसंबर 2024 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर समझौता हुआ – भारत–चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 2020 से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद दिसंबर 2024 एक समझौता हुआ है। इसमें तय हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

ट्रम्प मुनिर की बंद कमरे मे मुलाकता

अमेरिका मे पहली बार किसी राष्ट्रपति ने सेना चीफ की मेजबानी की ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की। दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की है।

यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं।

इजराइल-ईरान संर्घष में पब्लिक इफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान के दौरान इजराइल मेडिकल सेंटर पर ईरानी मिसाइल गिरी

मिसाइल गिरने के बाद इजरईल मे अफरा तफरी , रिपोर्ट के मुताबीक इजराईल का बजट गाजा युद्ध मे खर्व कफि खर्व हो गया है।

ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष सिर्फ सैन्य नहीं, अब आर्थिक संकट में भी बदलता जा रहा है। पूर्व इजराइली रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल रीम एमीनाक के मुताबिक, इजराइल का रोजाना युद्ध लड़ने में 725 मिलियन डॉलर (करीब ₹6,000 करोड़) खर्च हो रहा है। इसमें केवल मिसाइल, जेट ईंधन, बमबारी और सैनिक तैनाती जैसे सीधे खर्च शामिल हैं। पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान और प्रोडक्टिविटी में गिरावट को भी जोड़ा जाए, तो असल खर्च इससे कहीं ज्यादा हो सकता है।इजराइली वित्त मंत्रालय ने 2025 मेंघटाकर 3.6: कर दिया है। वहीं, 2025 में पहले से तय बजट घाटे की सीमा 4.9 से बढ़ सकती है।

ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह मिसाइल हमला किया। इससे कई गाड़ियों में आग लगा गई। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह मिसाइल हमला किया। इससे कई गाड़ियों में आग लग गई।

पहले 2 दिन में ही ₹12,500 करोड़ रूपए खर्च हुए – 13 जून को ईरान पर अटैक के बाद पहले दो दिन में इजराइल का खर्च 1.45 अरब डॉलर (करीब ₹12,500 करोड़ रूपए) तक पहुंच गया था। इसमें से 593 मिलियन डॉलर (करीब ₹5 हजार करोड़) बमबारी और जेट ईंधन और बाकी रक्षा संचालन में गए।

बजट घाटा बढ़ने और ळक्ब गिरने का अनुमान – इजराइल के वित्त मंत्रालय ने 2025 के लिए जो बजट घाटे की सीमा तय की थी, वह ळक्ब का 4.9: यानी लगभग 27.6 अरब डॉलर थी। लेकिन यह अनुमान ईरान के साथ नया युद्ध शुरू होने से पहले का था। अब इजराइल का बजट घाटा और बढ़ सकता है। वहीं, इजराइल का रक्षा बजट पहले ही गाजा युद्ध में काफी खर्च हो चुका है। इसी वजह से वित्त मंत्रालय ने 2025 में ळक्ब ग्रोथ रेट का अनुमान 4.3: से घटाकर 3.6: कर दिया है।

खबरों के लिए लोगिंन करे

https://sbpatra.in/

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण प्रति सोमवार स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक बेवसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्य सामग्री जैसे समाचार पत्र प्रकाशन या इस नाम से कोइ वेब डोमेन खरीदना , दण्डनीय अपराध होगा ,ऐसा करने पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है । - सम्पादक मधुसूदन शर्मा